देवी अहिल्याबाई एजुकेशन फाउंडेशन

द्वारा संचालित

देवी अहिल्याबाई मानसिक मंदित दिव्यांगजनों हेतु आश्रय ग्रह विद्यालय

गढ़िया ढिलावल, पोस्ट भोपत पट्टी, फर्रुखाबाद

<u>प्रगति रिपोर्ट सत्र 2023 - 24</u>

1. **फरहान** - यह जब से संस्था में आया था तो दैनिक क्रियाएं नहीं कर पाता था अब यह नियमित दैनिक क्रियाएं करना सीख गया है और अपने वस्त्रों को भी धूल लेता है गिनती गिनने का प्रयास कर रहा है टीवी ज्यादा देखता है अब वह अच्छे से भोजन भी स्वयं कर लेता है । शिक्षण कक्ष में बैठकर धीरे-धीरे बोलने का प्रयास करता है । अब हिंदी वर्णमाला में अ एवं आ अक्षर लिख लेता है प्रशिक्षण कक्षा में सिलाई मशीन अपने पैरों से चलाने का प्रयास करता है। धूपबत्ती बनाना सीख रहा है डांस भी कर लेता है अब हिंदी वर्णमाला में आ एवं अक्षर लिख लेता है पढ़ लेता है ।
2. **निखिल** - यह संस्था में जब शुरू में आया था कुछ भी अपने आप कार्य नहीं कर पता था प्रशिक्षकों के प्रयास से अपनी दैनिक क्रियाएं करने लगा अपने हाथ से भोजन भी कर लेता है और शिक्षण कक्ष में बैठकर कुछ-कुछ लिखने का प्रयास करता है। अपने अध्यापकों को सम्मान भी देने लगा है अब 1 से 30 तक गिनती भी पढ़ लेता है। धूप बत्ती भी बनाने लगा हैA से F तक लिख पढ़लेताहै।
3. **देवेश** - यह जब संस्था में आया था कुछ नहीं कर पता था ठीक से भोजन भी नहीं कर पता था। कक्षा में शांत बैठा रहता था। अब वह अपनी दैनिक क्रियाएं कर लेता है कुछ-कुछ लिखने का प्रयास करता रहता है टीवी देखने में मन लगता है सिलाई भी कुछ-कुछ कर लेता है। धूप बत्ती भी बना लेता है। 1 से 100 तक गिनती पढ़ लेता है अपना बिस्तर आदि ठीक से कर लेता है ।
4. **अंकित** - जब संस्था में लाया गया था तो बहुत गंदा रहता था धीरे-धीरे प्रशिक्षकों के द्वारा दैनिक क्रियाएं सिखाई गई। संगीत की तरफ रुचि ज्यादा होने के कारण ढोलक बजाना सिखाया गया। डांस करना सीख रहा है एवं सिलाई करना भी सीख रहा है। 1 से 100 तक गिनती भी पढ़ लेता है। 1 से 50 तक गिनती लिख लेता है। अपना नाम लिखने लगा है।
5. **आयूष** - जब यह संस्था में आया था अपनी दैनिक क्रियाओं को नहीं कर पता था शिक्षकों के अथक प्रयास से अपनी दैनिक क्रियाएं ठीक से करने लगा और सिलाई भी अच्छे से सीख रहा है। संगीत में काफी रुचि है प्रशिक्षकों द्वारा ढोलक आदि भी सीख रहा है। मोमबत्ती बनाना भी सीख रहा है नृत्य आदि भी करने लगा है। 1 से 80 तक गिनती पढ़ लेता है अपना बिस्तर आदि ठीक से कर लेता है एमआर किट द्वारा अच्छे से सीखने का प्रयास कर रहा है।

प्रबन्धक
देवी अहिल्याबाई एजूकेशन फाउण्डेशन
गढ़िया ढिलावल पोस्ट भोपतपट्टी
फर्रुखाबाद

6. **शाहरुख** - यह बच्चा अपना दैनिक क्रियाएं भी ठीक से नहीं कर पता था संस्था में प्रशिक्षकों के अथक प्रयास से धीरे-धीरे स्वयं दैनिक क्रियाएं करने लगा है। पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगता है यह बाहर को जाने के लिए प्रयास करता रहता है। एक स्थान पर बैठता नहीं था। बात को समझने में काफी समय लगता था। धूपबत्ती बनाना सीख रहा है अब यह कुछ-कुछ बोलने का प्रयास कर रहा है। खाने में ज्यादा रुचि रखता है सफाई में ज्यादा ध्यान नहीं देता है।
7. **आमिर** - यह लाभार्थी बहुत शरारती था प्रशिक्षकों के काफी प्रयास के बाद इसका मन विद्यालय में लगने लगा है। अब अपना दैनिक कार्य स्वयं कर सकता है। लिखना पढ़ना भी आ रहा है संगीत में बहुत रुचि रखता है। रात में देर से सोता है। प्रशिक्षण में अगरबत्ती बनाने का प्रयास कर रहा है।
8. **जीशान** - जब यह लाभार्थी संस्था में आया तो बहुत संकोची प्रवृत्ति का था। जब उससे कोई बात पूछी जाती तो बहुत शर्माताथा। शिक्षकों के प्रयास के बाद बदलाव आया अब यह अपनी दैनिक क्रियाएं कर लेता है। संगीत में किसी प्रकार की रुचि नहीं है सिलाई में रुचि है। कैरम ज्यादा खेलता हैटीवी कम देखता है। मोमबत्ती बनाना सीख रहा है। पढ़ाई लिखाई में ध्यान नहीं देता है।
9. **रिहान** - यह लाभार्थी बहुत ही चंचल स्वभाव का है यह अपनी दैनिक क्रियाएं स्वयं कर लेता है A से Z तक लिख व पढ़ लेता है। 1 से 100 तक गिनती लिखव पढ़ लेता है हिंदी में अ से ज्ञ तक लिखव पढ़ लेता है। अपना नाम लिख लेता है संगीत में बहुत रुझान रखता है। जनपद स्तरीय अधिकारियों से पुरस्कृत रह चुका है। धूपबत्ती बनाना भी सीख रहा है अब यह धूपबत्ती बना लेता है। साफ सफाई में ज्यादा ध्यान देता है।
10. **नैतिक** - यह लाभार्थी एक ही स्थान पर बैठा रहता है मोमबत्ती बनाने का प्रयास करता है सिलाई का प्रयास कर रहा है इसका मन पढ़ने व लिखने में नहीं लगता है। संगीत का बहुत शौकीन है टीवी प्रोग्राम में ज्यादातर गाने ही देखा है। मोबाइल भी चलाने का प्रयास करता है कैरम भी खेल लेता है। अपने दैनिक कार्यों को ठीक से कर लेता है डांस करने का प्रयास करता है। अब अपने दैनिक कार्य ठीक से कर रहा है।
11. **दीपक** - यह बहुत अच्छा बच्चा है पढ़ाई-लिखाई भी करता है। अपना और अपनी मां का नाम हिंदी में लिख लेता है। सुबह ध्यान ज्यादा रखता है और टीवी च लाना जानता है खुशी से संस्था में रह रहा है। अपने माता-पिता गुरुजनों आदि लोगों का सम्मान करता है । सिलाई मशीन भी च लाता है यह बच्चा टीवी में गाने बहुत देख ता है और खुद गाना गाने का प्रयास करता है । साफ सफाई में बहुत शौक रखता है अब यह बच्चा अ से ई तक लिख व पढ़ लेता है। 1 से 10 तक गिनती भी पढ़ लेता है।
12. **साहिल** - स्टाफ व अन्य लाभार्थियों के सहयोग से इस बच्चे को प्रोग्रेस की ओर ले जा रहे हैं। यह सुबह उठकर अपनी दैनिक क्रियाओं से निवृत होकर कुछ-कुछ बोलने का प्रयास करता है। जैसे पापा मम्मी स्कूल कॉपी पेन आदि। यह मोमबत्ती बनाने की कोशिश करता है कैरम खेलता हैं अ से ई तक पढ़ लेता है। अंग्रेजी में A से H तक लिख लेता है पढ़ लेता है। टीवी देखने में बहुत मन लगता है टीवी में गाना देखकर बहुत खुश होता है।

प्रबन्धक
देवी अहिल्याबाई एजूकेशन फाउण्डेशन
मढ़िया ढिलावल पोस्ट भोपतपट्टी
फर्रुखाबाद

13. **शीटू –** शुरू में लोगों को गाली ईंट पत्थर आदि मारता था अब यह सुबह अपनी दैनिक क्रियाओं से निव्रत होकर कुछ कुछ बोलने का प्रयास करता है जैसे - पापा मम्मी स्कूल कॉपी पेन आदि यह मोमबत्ती बनाने की कोशिश करता है । कैरम खेलता है । अ से अः तक पढ़ लेता है । अंग्रेजी में **a** से **h** तक मिख पढ़ लेता है । टीवी देखने में बहुत मन लगाता है टीवी में गाना देखकर बहुत खुश होता है । खाने में ज्यादा रुचि रखता है ।
14. **विक्रांत** - यह बहुत चंचल स्वभाव का है । एक स्थान में बैठता नहीं है । अपनी दैनिक क्रियाएँ खुद करने लगा है । कुछ भी लिखने पढ़ने का प्रयास नहीं करता है । हमेशा खाने पीने का प्रयास करता है । एक स्थान पर बैठकर टीवी देखता है । एवं अब यह प्रशिक्षण कक्ष में बैठता है एवं अगरबत्ती, धूपबत्ती, मोमबत्ती बनाने का प्रयास करता है । सांस्कृति कार्यक्रमों में भी हिस्सा लेता है । 1 से 100 तक गिनती पढ़ लेता है । आर्ट बनाने में रुचि रखता है । अब यह टीवी के सामने संगीत सीखने का प्रयास करता है । अपने से बड़ों को सम्मान भी देने लगा है ।
15. **रामपाल** - यह मंदिर के पास से उठाकर लाए थे जिस पर एक अंडरवियर था वह भी फटा हुआ संस्था में लाकर इसके बाल कटवाए फिर नहलाकर नए कपड़े पहनाए शुरू के दो-तीन दिन बिस्तर पर ही लैट्रिंग वगैरह कर दी। प्रशिक्षकों के अथक प्रयास से अब काफी सुधार हुआ है अब यह दैनिक क्रियाएं स्वयं कर लेता है। पढ़ने में मन नहीं लगता है। सिलाई मेंकम ध्यान देता है खाने में ज्यादा जोर देता है। अब यह 1 से 50 तक गिनती पढ़ लेता है। a से i तक पढ़ व लिख लेता है। सफाई में ज्यादा ध्यान नहीं देता है।
16. **शोभित** - यह बच्चा शुरू में आया था तो काफी सूरत था क्योंकि इसके माता-पिता ना होने की वजह से दर-दर भटक रहा था। संस्था में लाया गया स्टाफ से इसका जैसे वह हो गया। अब यह लाभार्थी अपनी दैनिक क्रियाएं स्वयं कर लेता है और पढ़ लेता है। A से Z तक पढ़ लेता है मोमबत्ती बनाना सीख रहा है।अ से ए तक पढ़ लेता है बनाने लगा है। 1 से 100 तक गिनती पढ़ लेता है।
17. **कुणाल** - यह संस्था में जब शुरू में आया था कुछ भी अपने आप कार्य नहीं कर पता था बच्चा अपना दैनिक क्रियाएं भी ठीक से नहीं कर पता था। संस्था में प्रशिक्षकों के अथक प्रयास से धीरे-धीरे स्वयं दैनिक क्रियाएं करने लगा है। पढ़ाई लिखाई में मन नहीं लगता है। वह बाहर को जाने के लिए प्रयास करता रहता है। टीवी देखने में बहुत मन लगता है टीवी में गाना देखकर बहुत खुश होता है। खाने में ज्यादा रुचि रखता है।
18. **मनोज** - यह लाभार्थी एक ही स्थान पर बैठा रहता है। मोमबत्ती बनाने का प्रयास करता है सिलाई का प्रयास कर रहा है। इसका मन पढ़ने वाला लिखने में नहीं लगता है हिंदी में अ से ज्ञ तक लिखव पढ़ लेता है। अपना नाम लिख लेता है संगीत में बहुत रुझान रखता है। बच्चा अपना दैनिक क्रियाएं भी ठीक से नहीं कर पता था। संस्था में प्रशिक्षकों के अथक प्रयास से धीरे-धीरे स्वयं दैनिक क्रियाएं करने लगा है।
19. **दानिश** - जब यह संस्था में आया था। अपनी दैनिक क्रियाओं को नहीं कर पता था शिक्षकों के अथक प्रयास से अपनी दैनिक क्रियाएं करने लगा है। सिलाई भी अच्छे से सीख रहा है। संगीत में काफी रुचि है अपने सभी काम स्वयं से करने लगा है मोमबत्ती बनाना भी सीख रहा है नृत्य आदि भी करता है। एक से 80 तक गिनती पढ़ लेता है। अपना नाम लिखने लगा है।
20. **सुखदेव** - यह संस्था में जब शुरू में आया था कुछ भी अपने आप कार्य नहीं कर पता था। प्रशिक्षकों के प्रयास से अपनी दैनिक क्रियाएं करने लगा है अपने हाथ से भोजन भी कर लेता है और शिक्षण कक्ष में बैठकर कुछ-कुछ लिखने का प्रयास करता है। अपने अध्यापकों को सम्मान भी देने लगा है। अब 1 से 50 तक गिनती भी पढ़ लेता है। धूप बत्ती भी बनाने लगा है। सिलाई मशीन का भी प्रयोग करने लगा है।

प्रबन्धक
देवी अहिल्याबाई एजूकेशन फाउण्डेशन
मढ़िया ढिलावल पोस्ट भोपतपट्टी
फर्रुखाबाद

21. **सचिन -** यह बहुत चंचल स्वभाव का लाभार्थी है। यह अपनी दैनिक क्रियाएं स्वयं कर लेता है।1 से 100 तक गिनती लिख व पढ़ लेता है। हिंदी में काफी अक्षर पढ़ लेता है लिख लेता है। अपना नाम भी लिख लेता है। संगीत में बहुत रुझान रखता है। धूप बत्ती बनाना भी सीख रहा है तथा बनाने भी लगा है साफ सफाई में ज्यादा ध्यान देता है।
22. **दीपक -** यह बहुत अच्छा बच्चा है पढ़ाई लिखाई भी करता है अपना और अपनी मां का नाम हिंदी में लिख लेता है। सुबह ध्यान ज्यादा रखता है और टीवी चलना ना जानता है खुशी से संस्था में रह रहा है अपने माता-पिता गुरुजनों आदि लोगों का सम्मान करता है। सिलाई मशीन भी चलता है। ढोलक बजाने का भी प्रयास करता है अब यह बच्चा अ से ई तक लिखव पढ़ लेता है। 1 से 50 तक गिनती भी पढ़ लेता है।
23. **सूर्यांश -** यह लाभार्थी एक ही स्थान पर बैठा रहता है। मोमबत्ती बनाने का प्रयास करता है। सिलाई का प्रयास करता है। इसका मन पढ़ने वाले लिखने में नहीं लगता है संगीत का बहुत शौकीन है। टीवी प्रोग्राम में ज्यादातर गाने ही देखा है। मोबाइल भी चलाने का प्रयास करता रहता है। अपने दैनिक कार्यों को ठीक से कर लेता है डांस करने का प्रयास करता है अब अपने दैनिक कार्य ठीक से कर रहा है। 1 से 70 तक गिनती पढ़ लेता है।
24. **रोहन -** शुरू में लोगों को गाली ईंट पत्थर आदि मरता था अब यह सुबह अपनी दैनिक क्रियो से निवृत होकर कुछ-कुछ बोलने की कोशिश करता है जैसे पापा मम्मी स्कूल कॉपी पेन आदि। यह मोमबत्ती अगरबत्ती बनाने की कोशिश करता है। टीवी देखने में बहुत मन लगता है टीवी में गाना देखकर बहुत खुश होता है खाने में ज्यादा रुचि रखता है और खुशी से संस्था में रह रहा है।
25. **दुर्गेश -** जब यह संस्था में आया था अपनी दैनिक क्रियाओं को नहीं कर पता था। शिक्षकों के अथक प्रयास से अपनी दैनिक क्रियाएं करने लगा है और सिलाई भी अच्छे से सीख रहा है। 1 से 80 तक गिनती पढ़ लेता है। टीवी देखने में मन लगता है। अपना बिस्तर आदि ठीक से कर लेता है। सिलाई मशीन अपने पैरों से चलाना सीख रहा है अपना भोजन स्वयं करने लगा है तथा संस्था में खुशी से रह रहा है।

प्रबन्धक
देवी अहिल्याबाई एजूकेशन फाउण्डेशन
मढ़िया ढिलावल पोस्ट भोपतपट्टी
फर्रुखाबाद